ज्योतिष में दार्शनिक और आध्यात्मिक प्रेरणा

ज्योतिषाचार्य
तेजस्कर पाण्डेय

विश्व की सभ्यताओं का इतिहास जितना व्यापक और विविधतापूर्ण रहा है, उतना ही विविध मानव मन की उन आस्थाओं का संसार रहा है, जिनके सहारे उसने सृष्टि की अनिश्चितताओं और जीवन की जटिलताओं को समझने का प्रयास किया. मनुष्य ने अपनी प्राचीनतम अवस्था से ही यह महसूस किया कि उसके आसपास कुछ ऐसी अदृश्य शक्तियाँ मौजूद हैं, जिनका प्रभाव प्रत्यक्ष रूप से दिखाई न देते हुए भी उसके जीवन, मृत्यु, भाग्य, स्वास्थ्य, संबंध, कृषि, मौसम, रोग, युद्ध और शांति तक पर किसी न किसी रूप में पड़ता है. प्राकृतिक घटनाओं के प्रति उसकी सीमित समझ ने उसे एक ऐसे दार्शनिक और आध्यात्मिक जगत की ओर प्रेरित किया, जहाँ अदृश्य को वास्तविक, और प्राकृतिक को परालौकिक की योजना का अंग माना जाता था. इसी ऐतिहासिक संवेदना से परामानविक मान्यताओं और ज्योतिषीय विश्वासों की वैश्विक परंपरा जन्मी, जो आज भी विश्व के लगभग हर देश में प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से जीवित है. तकनीक की तीव्र प्रगति और वैज्ञानिक नवाचारों ने भले ही मानव जीवन को बदल दिया हो, परंतु उसके मन की जिज्ञासा, भय, आशा और असुरक्षा जैसी आधारभूत मनोचेतनाएँ आज भी उतनी ही सक्रिय हैं जितनी हजारों वर्ष पहले थीं. इसी सतत भावानुभूति की निरंतरता ने परामानविक अनुभूतियों और ज्योतिषीय मान्यताओं को नया जीवन दिया, जिसे आज डिजिटल प्लेटफॉर्म, एप्लिकेशन, वैश्विक मीडिया, सामाजिक संचार माध्यम और ऑनलाइन भविष्यवाणी सेवाओं ने और अधिक व्यापकता प्रदान की है.

यदि हम विश्व के सांस्कृतिक इतिहास को देखें, तो लगभग प्रत्येक देश में आत्माओं, पूर्वजों, देवताओं, जादू, दिव्य शक्तियों, अदृश्य ऊर्जा, पुनर्जन्म, टेलीपैथी, भविष्यवाणी, शकुन-अपशकुन और ग्रह-नक्षत्रों की प्रभावशक्ति से जुड़े अनेक विश्वास पाए जाते हैं. यह मान्यताएँ केवल धर्म का अंग नहीं रहीं, बल्कि मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, मानवशास्त्र, राजनीतिक परिस्थितियों और आर्थिक दबावों के साथ भी गहराई से जुड़ती चली गईं. मनुष्य जब भी किसी संकट, संघर्ष, रोग या राजनीतिक अस्थिरता का सामना करता है, तो वह उन अदृश्य शक्तियों की ओर अधिक आकर्षित होता है जो उसे भावनात्मक सांत्वना, दिशा-निर्देशन और आश्वासन प्रदान कर सकें. यही कारण है कि आधुनिक युग में—जहाँ विज्ञान अपने उत्कर्ष पर है—वहीं ज्योतिषीय ऐप, ऊर्जा-चिकित्सा, टैरोट कार्ड, ऑरा रीडिंग, फेंगशुई, वास्तु, एंजेल नंबर, राशिफल, ग्रह शांति और परामानविक टीवी कार्यक्रमों ने असाधारण लोकप्रियता अर्जित की है. मनुष्य के मन में भविष्य को जानने की प्रबल इच्छा ने इन विश्वासों को नया अस्तित्व प्रदान किया है.

विश्व के देशों में यदि इन मान्यताओं के विस्तार का विश्लेषण किया जाए, तो भारत अपने आप में एक समृद्ध दार्शनिक और ज्योतिषीय परंपरा का केंद्र है. वैदिक ज्योतिष, नाड़ी शास्त्र, कर्म-सिद्धांत, पुनर्जन्म, ग्रहदोष, उपाय, पूजा-विधि, यज्ञ, यंत्र-मंत्र-तंत्र, वास्तु और मुहूर्त जैसी अवधारणाएँ न केवल धार्मिक और दार्शनिक परंपरा का हिस्सा हैं, बल्कि दैनिक सामाजिक जीवन में भी अत्यंत प्रभावी हैं. भारत में विवाह, गृहप्रवेश, व्यापार, यात्रा, शिक्षा, नौकरी, चिकित्सा, भवन-निर्माण, धार्मिक अनुष्ठान और लगभग प्रत्येक महत्वपूर्ण निर्णय में ज्योतिषीय परामर्श की भूमिका स्वाभाविक मानी जाती है. इसी प्रकार परामानविक विश्वास—जैसे पितरों का अस्तित्व, पूर्वजों की आत्मा, देवी-देवताओं की कृपा, अशुभ शक्तियाँ, ग्रह-पीड़ा, प्रेत-बाधा, ऊर्जा का प्रभाव—ग्रामीण और शहरी दोनों जीवन में समान रूप से प्रतिष्ठित हैं. भारत में वैज्ञानिक शिक्षा प्राप्त लोग भी राशिफल पढ़ते हैं, जन्मपत्री बनवाते हैं, वास्तु का पालन करते हैं और ग्रह बलों में विश्वास रखते हैं. इस प्रकार भारत का सांस्कृतिक ढाँचा अदृश्य के प्रति विश्वास को अपनी संरचना के भीतर एक सहज स्थान प्रदान करता है.

नेपाल में वैदिक ब्राह्मण परंपरा और तिब्बती बौद्ध मत का अनूठा संगम है. यहाँ तिथियों, नक्षत्रों और पंचांग के बिना कोई भी धार्मिक या सामाजिक कार्य नहीं होता. आत्माओं, देवताओं, यक्ष-राक्षसों और प्राकृतिक शक्तियों को शांत रखने की तांत्रिक पद्धतियाँ नेपाल की सांस्कृतिक स्मृति का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं. विवाह, पर्व, यात्रा और व्यापार शुभ मुहूर्त देखकर ही किए जाते हैं, और पर्वतीय समाज में अलौकिक शक्तियों के प्रति गहन आस्था पाई जाती है.

चीन का सांस्कृतिक दर्शन 'Qi' यानी ऊर्जा के प्रवाह पर आधारित है. चीन में फेंगशुई, चीनी ज्योतिष, राशि-चक्र और शुभ-अशुभ तिथियों का निर्धारण अत्यंत महत्वपूर्ण है. चीन के विशाल शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक भवनों, कार्यालयों, कब्रों, सड़कों, और यहाँ तक कि शहरों की योजना तक फेंगशुई के अनुसार बनाई जाती है ताकि ऊर्जा संतुलन बना रहे. यहाँ आत्माओं, पूर्वज-पूजा और दैवीय शक्तियों के प्रति विश्वास इतना गहरा है कि इसे सरकारी व्यवस्था तक सांस्कृतिक रूप से स्वीकारती है.

जापान में शिंतो और बौद्ध परंपराएँ आत्माओं, प्रकृति के देवताओं और अदृश्य शक्तियों में गहरा विश्वास उत्पन्न करती हैं. जापानी समाज में kami नामक दैवीय सत्ता की अवधारणा प्रकृति, पर्वत, नदी और वातावरण से जुड़ी है. वहाँ भविष्यवाणी के रूप में 'ओमिकुजी' अत्यंत लोकप्रिय है और राशिफल पढ़ना आधुनिक युवाओं का फैशन बन चुका है.

इस पूरे विश्लेषण के आधार पर यह कहा जा सकता है कि परामानविक और ज्योतिषीय विश्वास न केवल मानव संस्कृति के अवशेष हैं, बल्कि मानव चेतना की उस आदिम संरचना का हिस्सा हैं जो अर्थ, दिशा, सुरक्षा और आशा खोजती है. ये विश्वास मनुष्य के मन में बसे उस गहरे आध्यात्मिक आग्रह का प्रतीक हैं, जो अदृश्य को समझना चाहता है, भविष्य को जानना चाहता है और अपने जीवन के रहस्यों का समाधान ढूँढना चाहता है. विज्ञान इन मान्यताओं को समाप्त नहीं कर सका, बल्कि मनुष्य ने विज्ञान और परंपरा दोनों को अपने अनुभव के स्तर पर संतुलित करके अपनाया है. इसलिए यह स्पष्ट है कि परामानविक मान्यताएँ और ज्योतिषीय विश्वास आने वाले युग में भी विश्व की सांस्कृतिक संरचना, सामाजिक अनुभव और मानसिक स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण हिस्सा बने रहेंगे. इन विश्वासों की शक्ति मानव मन की अनिश्चितता, उसकी जिज्ञासा और उसके आध्यात्मिक स्वभाव से उत्पन्न होती है, और जब तक ये तीनों तत्व मानव अस्तित्व में मौजूद हैं, तब तक परामानविक मान्यताओं और ज्योतिषीय विश्वासों की प्रासंगिकता बनी रहेगी.

धन वृद्धि के लिए आस्था के उपाय : मंत्र जाप से दान तक

समृद्धि और आर्थिक स्थिरता के लिए कई उपाय बताए गए हैं. शास्त्रों के अनुसार नियमित मंत्र जाप, दान-पुण्य और विशेष पूजा से न केवल नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है, बल्कि धनागमन के रास्ते भी खुलते हैं. पंचांग के मुताबिक, प्रतिदिन प्रात:काल स्नान के बाद शुद्ध स्थान पर बैठकर 'ॐ श्री महालक्ष्म्यै नम:' मंत्र का 108 बार जाप करना शुभ माना गया है. मान्यता है कि इससे मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और आर्थिक परेशानियों में कमी आती है. धन वृद्धि के लिए रत्न और रुद्राक्ष धारण करने की परंपरा भी प्रचलित है.

शास्त्रों में माणिक्य, मोती और मूंगा को लाभकारी बताया गया है, वहीं एकमुखी और ग्यारहमुखी रुद्राक्ष को विशेष फलदायी माना जाता है. हालांकि, किसी भी रत्न को धारण करने से पहले योग्य ज्योतिषाचार्य की सलाह लेने की बात कही गई है. दान को भी धन बाधा दूर करने का प्रभावी उपाय माना गया है. शुक्रवार के दिन चावल, दूध और चांदी का दान करना शुभ बताया गया है. इसके अलावा, लाल वस्त्र में जटा वाला नारियल लपेटकर जल में प्रवाहित करने की परंपरा भी धन संबंधी रुकावटें कम करने से जोड़ी जाती है.

शास्त्रों में किन्नरों के आशीर्वाद को भी विशेष महत्व दिया गया है. बुधवार या शुक्रवार को यदि किन्नरों से भेंट हो, तो यथासंभव वस्त्र, मिठाई या धन का दान करने और उनसे आशीर्वाद स्वरूप सिक्का लेकर पर्स में रखने की मान्यता है.

कहा जाता है कि इससे धन की कमी नहीं होती. इसके साथ ही कनकधारा स्तोत्र और श्री लक्ष्मी स्तोत्र के नियमित पाठ को भी धन-संपत्ति प्राप्ति के लिए प्रभावशाली माना गया है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, आस्था और नियमपूर्वक किए गए ये उपाय व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं.

सफला एकादशी : शुभ योग से चमकेगी किस्मत

पौष माह की कृष्ण पक्ष एकादशी, जिसे सफला एकादशी के रूप में मनाया जाता है, इस बार खास शुभ संयोग लेकर आ रही है. 15 दिसंबर 2025, सोमवार को पड़ रही सफला एकादशी पर चित्रा नक्षत्र और शोभन योग का दुर्लभ संयोग बन रहा है. ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, इस दिन भगवान विष्णु और भगवान शिव की संयुक्त कृपा प्राप्त होती है. इन शुभ योगों के प्रभाव से चार राशियों के लिए यह एकादशी विशेष रूप से लाभकारी मानी जा रही है.

धार्मिक महत्व और शुभ संयोग सफला एकादशी का व्रत भगवान विष्णु को समर्पित होता है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन विधि-विधान से पूजा और व्रत करने से जीवन में सफलता, सुख-समृद्धि और पापों से मुक्ति मिलती है.

इस वर्ष सफला एकादशी पर सोमवार का दिन, चित्रा नक्षत्र और शोभन योग—तीनों का एक साथ आना इसे और अधिक शुभ बना रहा है. सोमवार होने के कारण शिव पूजा का महत्व भी बढ़ जाता है, जिससे यह दिन विष्णु-शिव कृपा का विशेष अवसर बन जाता है.

इन चार राशियों को मिलेगा विशेष लाभ

मेष राशि: मेष राशि वालों के लिए सफला एकादशी सौभाग्य लेकर आएगी. करियर में तरक्की के योग बन रहे हैं और रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं. पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा. मान-सम्मान में वृद्धि होगी और जीवनसाथी के साथ संबंधों में मधुरता आएगी.

कर्क राशि:- कर्क राशि के जातकों के लिए यह दिन नई उम्मीदों और अवसरों से भरा रहेगा. किसी खास व्यक्ति से मुलाकात संभव है, जो भविष्य में लाभकारी साबित हो सकती है. वैवाहिक जीवन में संतुलन और सुख बना रहेगा.

सिंह राशि:- सिंह राशि वालों के लिए सफला एकादशी सुख-समृद्धि को बढ़ाने वाली साबित होगी. आत्मविश्वास में वृद्धि होगी और पारिवारिक वातावरण अनुकूल रहेगा. सामाजिक और निजी रिश्तों में मजबूती आएगी. भाग्य का साथ मिलने से योजनाएं सफल हो सकती हैं.

कुंभ राशि:- कुंभ राशि के जातकों के लिए यह दिन समस्याओं से राहत दिलाने वाला हो सकता है. लंबे समय से चली आ रही परेशानियों का समाधान मिलने के संकेत हैं. वैवाहिक और प्रेम जीवन में सकारात्मक बदलाव आएगा. मानसिक शांति और संतोष की अनुभूति होगी.

तुलसी पूजा में भूलकर भी न करें ये गलतियां

हिंदू धर्म में तुलसी को अत्यंत पवित्र माना गया है और कार्तिक महीने में तुलसी पूजा का विशेष महत्व बताया गया है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सही विधि से की गई तुलसी पूजा से जीवन में सुख-समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा आती है, वहीं पूजा में की गई छोटी-सी गलती भी नुकसान का कारण बन सकती है.

शास्त्रों में तुलसी पूजा को लेकर कुछ विशेष नियम और सावधानियां बताई गई हैं. मान्यता है कि तुलसी के पत्ते हमेशा सुबह के समय ही तोड़ने चाहिए और रविवार के दिन तुलसी के पौधे के नीचे दीपक नहीं जलाना चाहिए. भगवान विष्णु और उनके अवतारों को तुलसी दल अर्पित करना शुभ माना गया है, जबकि भगवान गणेश और मां दुर्गा को तुलसी अर्पित नहीं की जाती. इसके अलावा, तुलसी के पत्तों को कभी बासी नहीं माना जाता.

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, तुलसी का पौधा किसी भी गुरुवार को लगाया जा सकता है, लेकिन इसे लगाने के लिए कार्तिक महीना सबसे उत्तम माना गया है. मान्यता है कि कार्तिक महीने में तुलसी की नियमित पूजा से हर मनोकामना पूरी होती है. तुलसी का पौधा घर या आंगन के बीच में लगाना शुभ बताया गया है, वहीं इसे शयनकक्ष की बालकनी में भी लगाया जा सकता है.

पूजा विधि के अनुसार, सुबह तुलसी के पौधे में जल अर्पित कर उसकी परिक्रमा करनी चाहिए. वहीं शाम के समय तुलसी के पौधे के नीचे घी का दीपक जलाना उत्तम माना गया है. धार्मिक मान्यताओं में कहा गया है कि सही विधि से की गई तुलसी पूजा से जीवन में सकारात्मक बदलाव आते हैं, जबकि गलत तरीके से की गई उपासना लाभ के बजाय हानि भी पहुंचा सकती है. इसी कारण श्रद्धालुओं को तुलसी पूजा के नियमों और विधि का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी जाती है, ताकि पूजा का पूर्ण फल प्राप्त हो सके.

ॐ का जाप क्यों माना जाता है सबसे शक्तिशाली?

धर्म ही नहीं विज्ञान भी करता है इसकी ताकत को स्वीकार

हिंदू धर्म में 'ॐ' को सबसे पवित्र और शक्तिशाली मंत्र माना गया है. शास्त्रों के अनुसार, ऊं केवल एक शब्द नहीं बल्कि ब्रह्मांड की मूल ध्वनि है, जिससे सृष्टि की उत्पत्ति मानी जाती है. यही वजह है कि किसी भी पूजा, मंत्र जाप या शुभ कार्य की शुरुआत 'ॐ' के उच्चारण से की जाती है.

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, ऊं का नियमित जाप करने से मन शांत होता है और नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है. यह मंत्र व्यक्ति को मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक रूप से मजबूत बनाता है. वेदों और उपनिषदों में भी ऊं को परम ब्रह्म का प्रतीक बताया गया है, जो ईश्वर और आत्मा के बीच संबंध स्थापित करता है. वहीं विज्ञान भी ऊं की शक्ति को मान्यता देता है.

वैज्ञानिक शोधों के अनुसार, ॐ का उच्चारण करने से शरीर में सकारात्मक कंपन पैदा होते हैं. इसका प्रभाव मस्तिष्क पर पड़ता है, जिससे तनाव कम होता है और एकाग्रता बढ़ती है. योग और मेडिटेशन में ॐ का प्रयोग इसलिए किया जाता है क्योंकि यह दिमाग को रिलैक्स करने में मदद करता है और ब्लड प्रेशर को संतुलित रखता है. योगाचार्यों के अनुसार, प्रतिदिन सुबह खाली पेट शांत स्थान पर बैठकर 'ॐ' का 108 बार जाप करने से जीवन में सकारात्मक बदलाव आते हैं. मान्यता है कि इससे आत्मविश्वास बढ़ता है, मानसिक अशांति दूर होती है और व्यक्ति के भीतर ऊर्जा का संचार होता है.

धार्मिक ग्रंथों में यह भी कहा गया है कि ऊं का जाप करने से ग्रह दोषों का प्रभाव कम होता है और जीवन में आ रही बाधाएं धीरे-धीरे समाप्त होने लगती हैं. यही कारण है कि ऊं को केवल एक मंत्र नहीं बल्कि जीवन को संतुलित करने वाली दिव्य ध्वनि माना जाता है. आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में ॐ का जाप मानसिक शांति पाने का एक सरल और प्रभावी उपाय माना जा रहा है, जिसे अपनाकर व्यक्ति तनाव से राहत पा सकता है और सकारात्मक जीवन की ओर बढ़ सकता है.

हाथ में धातु का कड़ा पहनने के फायदे

हाथ में धातु का कड़ा पहनने की परंपरा भारत में सदियों से चली आ रही है. खासतौर पर सिख धर्म में कड़े को पंचकारों में शामिल किया गया है, जहां इसे आस्था, अनुशासन और पहचान का प्रतीक माना जाता है.

धार्मिक मान्यताओं के साथ-साथ इसके पीछे वैज्ञानिक और ज्योतिषीय कारण भी बताए जाते हैं, जिस वजह से आज भी बड़ी संख्या में लोग धातु का कड़ा धारण करते हैं. धार्मिक दृष्टि से देखा जाए तो सिख धर्म में अधिकतर लोग चांदी या अष्टधातु का कड़ा पहनते हैं. इसे न केवल आध्यात्मिक सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है, बल्कि यह व्यक्ति को अपने कर्तव्यों और मर्यादाओं की याद भी दिलाता है. कई धार्मिक परंपराओं में हाथ में कड़ा पहनना शुभ माना गया है. वहीं, कड़ा पहनने के पीछे वैज्ञानिक कारणों का भी जिक्र किया जाता है.

मान्यता है कि धातु से बना कड़ा शरीर में ऊर्जा के प्रवाह को संतुलित करने में मदद करता है और कुछ बीमारियों से बचाव में सहायक होता है. आयुर्वेदिक और पारंपरिक मान्यताओं के अनुसार, धातु शरीर की नकारात्मक ऊर्जा को कम कर सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाती है. ज्योतिष के अनुसार, चंद्रमा को मन का कारक ग्रह माना गया है और चांदी को चंद्रमा की धातु कहा जाता है. ऐसे में चांदी का कड़ा पहनने से मानसिक शांति बढ़ती है, एकाग्रता में सुधार होता है और चंद्र दोष से जुड़ी परेशानियां कम होती हैं. यही कारण है कि बार-बार बीमार पड़ने वाले व्यक्ति को अष्टधातु का कड़ा पहनने की सलाह दी जाती है.

राशिफल

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास,
कोतवाली बाजार,
जबलपुर मो.नं. 098266-21998

साप्ताहिक ग्रहस्थिति- इस सप्ताह सूर्य वृश्चिक राशि में ता. 16 को 1/45 दिन से धनु राशि में, मंगल धनु राशि, बुध वृश्चिक राशि में, वक्री गुरू कर्क राशि में, शुक्र वृश्चिक राशि में ता. 19 को 7/19 रात से धनु राशि में, शनि मीन राशि में, राहु कुम्भ राशि में, केतु सिंह राशि में और चन्द्रमा कन्या तुल वृश्चिक और धनु राशि में संचरण करेगा.

ग्रहयोगों का प्रभाव :- इस सप्ताह ता. 16 को सूर्य मूल नक्षत्र धनु राशि में प्रवेश करता है और मंगल के साथ मेल करेगा, शुक्र और बुध के साथ द्विद्वादश योग बनेगा जिसके प्रभाव से व्यापार प्रभावित होगा, रूई, कपास, सूत, सोना, चांदी, अलसी आदि तिलहन में जोरदार मंदी या तेजी का संचार होगा बहुत ही सावधानी का समय है इन दिनों मूंग, मोठ, उड़द, तिल, तेल, सरसों एवं नमक में मंदी रहेगी.

पर्व-व्रत-त्यौहार :

सोमवार	15 दिसम्बर को	सफला एकादशी
बुधवार	17 दिसम्बर को	प्रदोष व्रत
गुरूवार	18 दिसम्बर को	शिव चतुर्दशी व्रत
शुक्रवार	19 दिसम्बर को	स्नान दान श्राद्ध अमावस्या

मेष

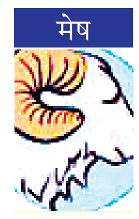

इस सप्ताह सामाजिक सक्रियता बढ़ेगी, व्यापारिक लेनदेन के मामले में सफलता मिलेगी, किसी मनोरंजक यात्रा का योग है, सप्ताह के मध्य दूसरों की सलाह को बिना सोचे समझे मानेंगे, तो हानि हो सकती है, अच्छा हो सलाह को अमल में लाने के पूर्व एक बार पुन: सोच विचार कर लें, छात्रों का प्रतियोगी परीक्षा में सफलता के लिये कड़ी मेहनत करना पड़ेगी.

वृषभ

खानपान की लापरवाही से स्वास्थ्य बिगड़ सकता है, भागदौड़ अधिक होगी, व्यापारिक यात्रा में अच्छे समझौते अथवा लाभ की संभावना बनेगी, अधिकारियों से मिलने के लिये समय अनुकूल है, अधिनस्थों के असहयोग से सप्ताह के मध्य में कुछ बाधा उत्पन्न होगी, जो शीघ्र ही सुधरेगी, नौकरी पेशा में रूका हुआ पैसा अथवा पुराना लाभ मिलने की संभावना है.

मिथुन

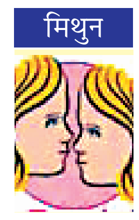

सप्ताह के प्रारंभ में आप जिसे अपना मित्र समझ रहे हैं, वह आपके साथ दुश्मनी निभा सकता है, विशेष सावधानी के साथ कार्य करें, धार्मिक अथवा मांगलिक कार्य का अवसर प्राप्त हो सकता है, साझेदारी के कार्य में तनाव बढ़ने से बड़ी योजना कुछ समय के लिये रूक सकती है, स्थायी संपत्ति के क्रय विक्रय का योग है, विवादास्पद मामले आपके पक्ष में सुलझेंगे.

कर्क

पुराना पैसा मिलने से प्रसन्नता होगी, हंसी मजाक में सावधानी रखें, गलतफहमी से विरोध का वातावरण बन सकता है, परिश्रम अधिक करना पड़ेगा, जिसका लाभ देर से मिलेगा, जो कार्य अब तक निपटता नजर आ रहा है, उसे पूरा करने में सफलता मिलेगी, धन के लेनदेन में दूसरों पर भरोसा करने की बजाय खुद देख परख कर निर्णय करें, सभी का सहयोग मिलेगा.

सिंह

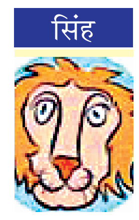

आपको सफलता के लिये कड़ी मेहनत करना पड़ेगी, राजनेताओं को नये अवसरों से लोकप्रियता मिल सकती है, व्यवसायी वर्ग नये कार्य की शुरूआत कर सकते हैं, आप अपनी वित्तीय स्थितियों से संतुष्ट रहेंगे, निजी जीवन तनावमुक्त रहेगा, घर परिवार में सुख समृद्धि और शांति का प्रभाव रहेगा, सप्ताहान्त में नये कार्य को शुरू करने के लिये आवश्यक साधनों की पूर्ति होगी.

कन्या

बढ़ते हुये खर्च के कारण अपनी महत्वपूर्ण योजना को बीच में ही रोकना पड़ सकता है, आत्म विश्वास के बल पर मुश्किल हालात से निकलने में सफलता मिलेगी, वाणी पर संयम रखें, अन्यथा करीबी लोग आपसे दूरी बना सकते हैं, पैतृक संपत्ति के विवादों को सुलझाने में सावधानी रखें, पारिवारिक उत्सव में शामिल होने के अवसर मिलेंगे.

तुला

व्यापार विस्तार की संभावना बनेगी, धार्मिक कार्यों में रूचि बढ़ेगी, नाते रिश्तेदारों से मुलाकात होगी, लाभदायक योजना में विलंब से कुछ खिन्नता बढ़ेगी, परन्तु किसी के सहयोग से लाभ होगा, आपकी मुलाकात पुराने परिचितों से हो सकती है, सप्ताहान्त में आपकी वित्तीय स्थिति पहले से बेहतर होगी, दूर दराज की योजना लाभदायक रहेगी.

वृश्चिक

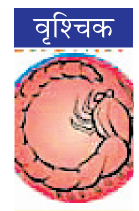

पारिवारिक समस्याओं को लेकर मन कुछ उलझनों में रह सकता है, व्यापार में लाभ की गति धीमी रहने की संभावना है, परीक्षा प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी, पारिवारिक कारणों से लंबी यात्रा के अवसर प्राप्त होंगे, विरोधी वर्ग समझौतावादी नीति अपना सकता है, अधिकारी वर्ग आपके कामकाज की तारीफ करेंगे, अतिथि आगमन का योग है.

धनु

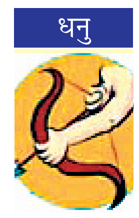

उलझे हुये मामलों में समय व्यतीत होगा, लेकिन आपसी लोगों के सहयोग से परेशानी कम होगी, परिवार में मांगलिक कार्यो का आयोजन आपको प्रसन्नता प्रदान करेगा, संतान को अच्छी सफलता मिलेगी, कामकाजी महिलाओं को परेशानी होगी, घर के पूज्य व्यक्ति के स्वास्थ्य का ध्यान रखें, वाहन चलाते समय लापरवाही न करें.

मकर

यह सप्ताह आपके लिये मनोवांछित साबित होगा, कार्यक्षेत्र में आपकी प्रशंसा होगी, कामकाजी व्यस्तता के बावजूद भी आप परिजनों के साथ समय व्यतीत करेंगे, जीवनसाथी से तारतम्य बना रहेगा, आप बच्चों की उपलब्धियों पर गर्व करेंगे, अतिथि आगमन होगा, जिससे परिवार में प्रसन्नता बनी रहेगी, क्रय-विक्रय से लाभ की संभावना है, नये कार्य में सावधानी रखें.

कुम्भ

किसी आपसी संबंधों में तनाव की संभावना है, वास्ते वाणी में कुछ संयम से कार्य करें, साझेदारी में सावधानी रखें, कारोबार का ध्यान रखें, आप अपने व्यवहार से सभी को दोस्त बनाने में सफल होंगे, अधिनस्थों का सहयोग मिलेगा, भावनात्मक संबंधों में निकटता आयेगी, विरोधियों का समय मौजमस्ती में व्यतीत हो सकता है.

मीन

बढ़ते हुये खर्च के कारण कर्ज लेना पड़ सकता है, सफलता की राह में बाधा आयेगी, व्यापारिक योजना के विस्तार की रूपरेखा बनेगी, परिवार में शुभ कार्यो का आयोजन आपको प्रसन्नता देगा, धार्मिक कार्यों में समय व्यतीत होगा, अपने व्यवहार से सभी को खुश कर देंगे, विरोधी वर्ग समस्या पैदा करने का प्रयास करेगा, लेकिन आपको सूझबूझ से परेशानी नहीं होगी.